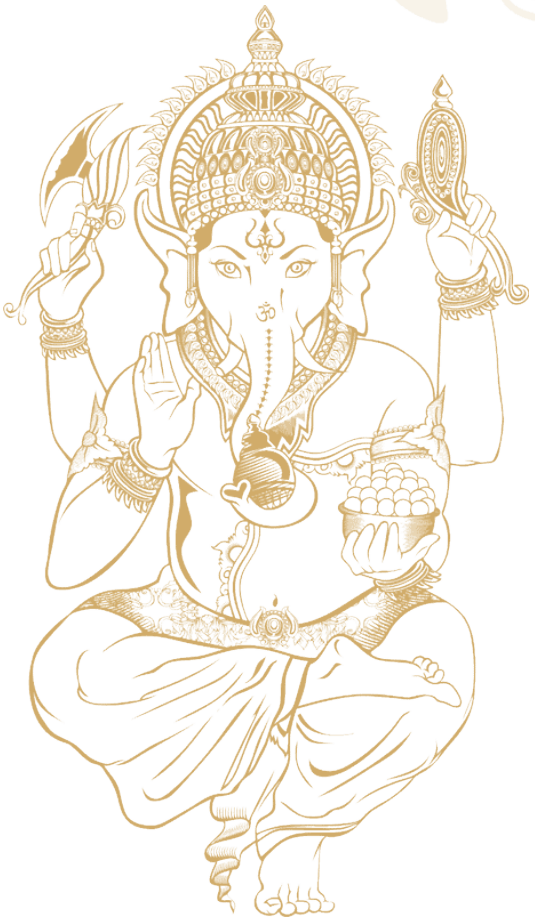

# Nishita

# Naveen

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121409003

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 26/08/2001 | जन्म तिथि | 09/07/1995 |
| रविवार | दिन | रविवार |
| घंटे 14:25:00 | जन्म समय | 09:30:00 घंटे |
| घटी 21:12:19 | जन्म समय(घटी) | 10:00:04 घटी |
| India | देश | India |
| Delhi | स्थान | Delhi |
| 28:39:00 उत्तर | अक्षांश | 28:39:00 उत्तर |
| 77:13:00 पूर्व | रेखांश | 77:13:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:21:08 | स्थानिक संस्कार | -00:21:08 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 05:56:04 | सूर्योदय | 05:29:58 |
| 18:49:16 | सूर्यास्त | 19:22:16 |
| 23:52:32 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:47:50 |

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| शनि 1वर्ष 3मा 14दि | 28:50:41 | वृश्चि | लग्न | सिंह | 13:15:06 | शनि 14वर्ष 6मा 30दि |
| केतु | 09:19:05 | सिंह | सूर्य | मिथु | 22:42:41 | बुध |
| 11/12/2019 | 15:45:41 | वृश्चि | चंद्र | वृश्चि | 06:25:59 | 06/02/2010 |
| 10/12/2026 | 29:52:48 | वृश्चि | मंगल | सिंह | 29:08:09 | 07/02/2027 |
| केतु 08/05/2020 | 27:23:09 | सिंह | बुध | मिथु | 03:44:06 | बुध 05/07/2012 |
| शुक्र 08/07/2021 | 15:06:38 | मिथु | गुरु व | वृश्चि | 12:38:21 | केतु 02/07/2013 |
| सूर्य 13/11/2021 | 05:10:12 | कर्क | शुक्र | मिथु | 10:57:42 | शुक्र 02/05/2016 |
| चन्द्र 14/06/2022 | 20:12:02 | वृष | शनि व | मीन | 00:56:54 | सूर्य 09/03/2017 |
| मंगल 10/11/2022 | 10:45:46 | मिथु | राहु व | तुला | 08:54:27 | चन्द्र 08/08/2018 |
| राहु 28/11/2023 | 10:45:46 | धनु | केतु व | मेष | 08:54:27 | मंगल 05/08/2019 |
| गुरु 03/11/2024 | 28:33:29 | मक व | हर्ष व | मक | 05:11:47 | राहु 22/02/2022 |
| शनि 13/12/2025 | 12:48:26 | मक व | नेप व | मक | 00:34:55 | गुरु 29/05/2024 |
| बुध 10/12/2026 | 18:39:58 | वृश्चि | प्लूटो व | वृश्चि | 04:16:00 | शनि 07/02/2027 |

**लग्न-चलित**

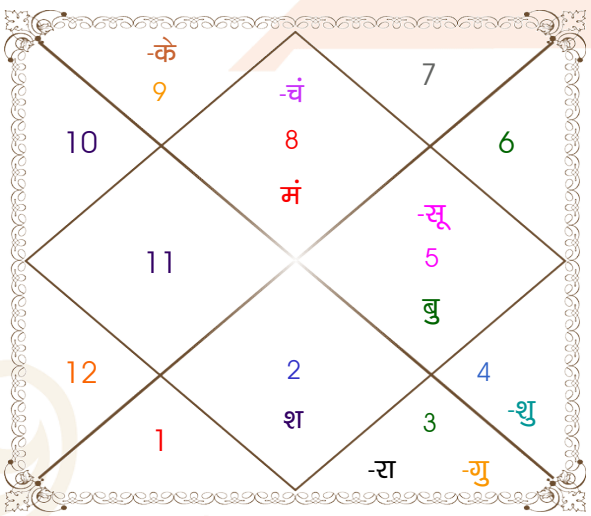


**लग्न-चलित**

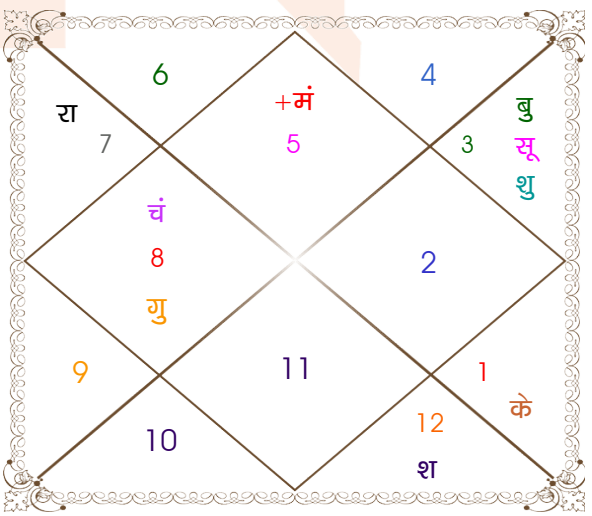


**Trikal Jyotish Kendra**
Mahavir Enclave
7042079557
saritaram.ram07@gmail.com

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | विप्र | विप्र | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | कीटक | कीटक | 2 | 2.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | जन्म | जन्म | 3 | 3.00 | -- | भाग्य |
| योनि | मृग | मृग | 4 | 4.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | मंगल | मंगल | 5 | 5.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | देव | देव | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | वृश्चिक | वृश्चिक | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | मध्य | 8 | 0.00 | हाँ | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 28.00 | | |

Nishita का वर्ग सर्प है तथा Naveen का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Nishita और Naveen का मिलान अत्युत्तम है।

## मंगलीक दोष मिलान

Nishita मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।**
**विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Nishita कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।**
**न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Nishita कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Naveen मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

**गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।**

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Naveen कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Nishita तथा Naveen में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।